शिवोऽहम्   śivo'ham

Begin and end with :

शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūm̐

अमर आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ
amara ātmā saccidānanda maiṁ hūm̐

शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

Verses :

अखिल विश्व का जो परम आत्मा है
1. akhila viśva kā jo parama ātmā hai

सभी प्राणियों का वही आत्मा है
sabhī prāṇiyoṁ kā vahī ātmā hai

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūm̐ śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

अमर आत्मा है मरणशील काया
2. amara ātmā hai maraṇaśīla kāyā

सभी प्राणियों के जो भीतर समाया
sabhī prāṇiyoṁ ke jo bhītara samāyā

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūm̐ śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

जिसे शस्त्र काटे न अग्नि जलाये
3. jise śastra kāṭe na agni jalāye

बुझाये न पानी न मृत्यु मिटाये
bujhāye na pānī na mṛtyu miṭāye

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūṁ śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

है तारों-सितारों में आलोक जिसका
4. hai tāroṁ-sitāroṁ mem āloka jisakā
है चंदा व सूरज मे आभास जिसका
hai candā va sūraja me ābhāsa jisakā

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūṁ śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

जो व्यापक् है कण कण में है वास जिसका
5. jo vyāpak hai kaṇa kaṇa meṁ hai vāsa jisakā

नहीं तीनों कालों में हो नाश जिसका
nahīṁ tīnoṁ kāloṁ meṁ ho nāśa jisakā

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūṁ śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham

अजर औ अमर जिसको वेदों ने गाया
6. ajara au amara jisako vedoṁ ne gāyā
यही ज्ञान अर्जुन को हरि ने सुनाया
yahī jñāna arjuna ko hari ne sunāyā

वही आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम् शिवोऽहम्
vahī ātmā saccidānanda maiṁ hūṁ śivo'ham śivo'ham śivo'ham śivo'ham